दुनिया के जुल्मो सितम से जो हार जाता है लिरिक्स

दुनिया के जुल्मो सितम से जो,
हार जाता है,
उसको दुनिया में मेरा श्याम ही,
अपनाता है,
दुनिया के जुल्मों सितम से जो,
हार जाता है।bd।

तर्ज – हर पर कदम कोई कातिल।

रिश्ते नाते जहाँ के,
सारे निभाए हमने,
ना सुकून पाया,
दिए ज़ख्म नए से ग़म ने,
कश्ती जीवन की,
मेरे बाबा लगी है थमने,
अब तो खाटू का ही एक,
रस्ता याद आता है,
उसको दुनिया में मेरा श्याम ही,
अपनाता है,
दुनिया के जुल्मों सितम से जो,
हार जाता है।bd।

एक यही तो ठिकाना है,
ग़म के मारों का,
है मेरा श्याम ही बस,
साथी बेसहारों का,
है यही माली हर चमन का,
हर नज़रों का,
देख कर आह के कांटे,
जो घबराता है,
उसको दुनिया में मेरा श्याम ही,
अपनाता है,
दुनिया के जुल्मों सितम से जो,
हार जाता है।bd।

श्याम के नाम का तो 'धीरज',
मेरे कानों में है,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

है लिया बाँध अगर रिश्ता,
अब निभाना है,
मिले थे धोखे हमें जिनसे,
उन्हें दिखाना है,
हो वो छोटा या बड़ा सबको,
गले लगाता है,
उसको दुनिया में मेरा श्याम ही,
अपनाता है,
दुनिया के जुल्मों सितम से जो,
हार जाता है।bd।

दुनिया के जुल्मो सितम से जो,
हार जाता है,
उसको दुनिया में मेरा श्याम ही,
अपनाता है,
दुनिया के जुल्मों सितम से जो,
हार जाता है।bd।

Singer – Shivangi Pathak

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com